Regional Office of Nehru Yuvak Kendra

2776. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Nehru Yuvak Kendra has a regional office to supervise the kendras in Southern States;

(b) if so, the strength and level of administration thereof;

(c) the work done by this office so far; and

(d) the other details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS): (SHRI MUKUL WASNIK): (a) Yes, Sir. There are four Regional Office at Chittoor, Devanagiri, Mallapuram and Madras who supervise the activities of the Kendras in Southern States.

(b) Each Regional Office consists of one Regional Coordinator, one Accounts Clerk-cum-Typist and one Staff-Car Driver.

(c) and (d) The main functions of these Regional Offices are:—

1. Liaison with State Government, Department/Agencies in the Region;

2. Monitoring and Evaluation of programmes conducted by the Kendras in the Region.

3. Programme planning and implementation;

4. Survey and research study;

5. Assistance to Nehru Yuva Kendras of the Region in formulating Project Proposals;

6. Supervision of financial and administrative matters of employees of Nehru Yuva Kendras in the region;

7. To act as a link between the Kendras on one hand and the Zonal Office/Headquarters on the other.

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में आरक्षित पद

2777. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने 8 से 14 अप्रैल, 1995 के रोजगार समाचार में 540 पदों के लिए विज्ञापन दिया था;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक श्रेणी के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग कितने पदों का आरक्षण किया गया था

(ग) क्या इन श्रेणियों के लिए आरक्षित पदों की संख्या विज्ञापित पदों के अनुपात में कम है; और

(घ) यदि हां तो उसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इन आरक्षित पदों पर नियुक्तियां करने के लिए क्या कार्रवाई की जा रही है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में राज्य मंत्री (कुमारी शैलजा): (क) से (घ) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

गाय के गोबर के संबंध में नया प्रयोग

2778. **श्री सोमपाल:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान अमरीकी पत्रिका "स्पैन" के फरवरी, 1992 के संस्करण में छपे उस लेख की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि अमरीकी कृषि वैज्ञानिकों ने गाय के गोबर और समुद्री जल से इस प्रकार का एक घोल तैयार किया है जिससे ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाने में बड़ी सफलता मिली है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस प्रयोग की क्षमता की पुष्टि करने और इस प्रकार का जैवीय खाद भारत में बनाने का कोई प्रयास किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अयूब खान): (क) जी हां। पर ये दावे वैज्ञानिक प्रयोगात्मक आंकड़ों के साथ पूर्ण रूप से अधिप्रमाणित नहीं हैं। गाय के गोबर और समुद्र के पानी के घोल के प्रभाव को मलजल उपचार, बिखरे हुए तेल को साफ करने के लिए

बताया गया है, बंजर भूमि को और अधिक हरा भरा करने में इसका योगदान अधिक नहीं है।

(ख) और (ग) यह सर्वविदित है कि गाय के गोबर/गोबर की खाद के उपयोग से मृदा की उर्वरता में सुधार होता है। गाय के गोबर और खेती अवशेषों को मृदा की उर्वरता को सुधारने के लिए वनस्पति खाद के रूप में प्रयोग किया जाता है, लेकिन अब तक गाय के गोबर के साथ समुद्र के पानी को मिला कर कोई परीक्षण नहीं किया गया है।

(घ) भारत में, अच्छी किस्म का पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। समुद्र के पानी को उसके अधिक खारेपन के कारण जाना जाता है। अतः वर्तमान समय में कृषि के लिए इसके प्रयोग की आवश्यकता महसूस नहीं की गई है।

Profit of Steel Authority of India Ltd.

2779. DR. RANBIR SINGH:
SHRI RAM NATH KOVIND:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Steel Authority of India Ltd. has recorded a net profit of Rs. 433.20 crores in the current financal year;

(b) if so, the details thereof with areas of profit;

(c) whether such huge profits have been contributed by different steel plants of the country;

(d) if so, the details thereof, plant-wise;

(e) whether Government propose to make better utilisation of these profits for future; and

(f) If so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Yes, Sir. SAIL has earned a net profit (provisional before audit) of Rs. 433.20 crores in the first six months of the current financial year. Profits have been earned during normal business operations after providing for interest and depreciation. Details thereof under major components are as under:

(Rs. in Crores)

Particulars	Six Months ended 30th September 95
— Sales/Other Income	6666.44
— Total Expenditure	5536.27
— Interest	405.82
— Gross Profit after interest but before depreciation & taxation	724.35
— Depreciation	291.15
— Provision for Taxation	—
— Net Profit (after tax)	433.20

(c) and (d) Yes, Sir. The profits have been contributed mainly by Bhilai Steel Plant and Bokaro Steel Plant.

(e) and (f) Profits of SAIL are being utilised for modernisation of steel plants, upgradation of technology, increase in the production capacity, replacing of old assets and also for payment of dividend to its shareholders.

Assessment of Saline Land

2780. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have assessed the saline land in the country;

(b) if so, the State-wise details thereof;

(c) whether Government have adopted any new technology to reclaim the saline land; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) No systematic survey has been carried out to assess the extent of saline land in the country. However, as per the Report of the National Commission on Agriculture (1976), an extimated area of about 7.2 million hectare is affected with both salinity and alkalinity in the country.